

उत्तर का पर्वतीय क्षेत्र

3287263

5

- भारत को राष्ट्रीय में अवस्थित एक विशालकाय देश है। लम्बा 32 लाख वर्ग km क्षेत्रफल में फैले भारत की स्थलाकृति अत्यंत विषम है।

- यह नवीनतम मोड़दार पर्वत है।

✓ यह संतुर्ण भारत के 10.7% भूभाग पर फैला हुआ है।

- भारत के उत्तर में विशालकाय मोड़दार पर्वतों की कई श्रृंखलाएँ अवस्थित हैं, जिनका विस्तार 5 लाख वर्ग कि.मी. क्षेत्रफल पर हुआ है।

- इसका निर्माण जब जीत कल्प के उत्तर के यूरोपियन प्लेट और दक्षिण के ग्रेटियन प्लेट के अभिसरण से हुआ है।

- उत्तर के पर्वतीय प्रदेशों को निम्न वर्गों में बाँटा जा सकता है।

1. द्रास हिमालय

2. हिमालय

3. खाँचल हिमालय

1. द्रास हिमालय

- हिमालय के उत्तर में स्थित पर्वत श्रृंखलाओं को द्रास हिमालय कहा जाता है।

- भूखण्ड 1000 km, औसत ऊँचाई 6000m.

- द्रास हिमालय की तीन श्रृंखलाएँ मौजूद हैं—

(i) काराकोरम (ii) लद्दाख (iii) ज़ास्कर

• इसके अलावे चीन के टिप्टुंगान रेंजेंगल्यून, पाक-हिन्दु कुश पर्वत → द्रास हिमालय हैं।

• ये सभी श्रृंखलाएँ पामोर के उत्तरी भाग में एक जोड़ का निर्माण करती हैं, जिसे पामोर का पगर कहा जाता है। इसकी औसत ऊँचाई 4500m से अधिक है।

(i) काराकोरम श्रेणी

✓ सिंधु नदी के उत्तर में भारत चीन जोना पर अवस्थित

• पामोर के पगर से निकलकर 300 से दूर की मोर स्थित है।

• प्राचीन नाम— क्वणागिरी

- औसत ऊँचाई = 6000m.

- इसकी सबसे ऊँची चोटी— K2 - भारत की सबसे ऊँची व विश्व की दूसरी सबसे ऊँची चोटी

- औसत चोड़ाई = 80km.

✓ हिमानी — खट्टा, हिस्पार, जियापो, लालपोरा, सियाचीन

✓ हिमानी अवरुद्ध निर्माण हैं— सुंअरेक, शंतिरा कौल, काराकोरम

- यह विशुद्ध रूप से अर्द्धमूलस्थलीय क्षेत्र है।

(ii) लद्दाख श्रेणी

- जास्कर श्रेणी व काराकोरम श्रेणी के मध्य अवस्थित

- औसत ऊँचाई = 5300m.

✓ हिमानी के अपरदन के कारण यह पठार के रूप में तटदीप हो चुका है

- इसका दक्षिण भाग चीन में केलाश पर्वत के नाम से जानते हैं।

- इस उर्वरता भर प्रसिद्ध पुगा की घाटी अवस्थित है जो भूगर्भीय ऊर्जा को एक विशाल स्रोत है।

✓ लद्दाख श्रेणी को काटकर सिंधु नदी सिन्धु की सबसे लंबी शाखा सिंधु नदी का निर्माण करती है। इस शाखा से त्रिलोहित बरसता है।

- सिंधु नदी जास्कर और लद्दाख के बीच बहती है।

✓ इस पठार पर सिंधु की सहायक नदी श्याक बहती है।

- लद्दाख श्रेणी के 3000m में सोडा का मैदान और देंपसांग का मैदान

= लद्दाख की सबसे ऊँची चोटी - गुडलामांधता

(iii) जास्कर श्रेणी

- यह लद्दाख श्रेणी के दक्षिण में समानांतर रूप से फैला

- यह पर्वत 76°E देशांतर के पास महान हिमालय से मिलती है।

2. हिमालय

- प० में सिंधु नदी से पूरब में ब्रह्मपुत्र नदी तक ²⁵⁰⁰ 2400 km लम्बाई में विस्तृत

- इसका विस्तार लगभग 5 लाख वर्ग कि०मी० क्षेत्रफल पर

- औसत चौड़ाई 200 km, प० में अधिक चौड़ा 500 km, → तल्ले पर अन्वेषित बनाव

- भौगोलिक आधार पर वर्गीकरण

(i) महान हिमालय / हिमाद्रि / आर्याक

(ii) लघु हिमालय / हिमाचल / महम

(iii) हिमालय / वाहय हिम

(i) महान हिमालय

- विस्तार सिंधु नदी से नामचावरवा शिखर तक

- औसत ऊँचाई 6000m.

- इस आकार चाप के स्वरूप में है।

- इसकी चोटियाँ चालों भर कर्फ से ढकी होती हैं।

- हिमानी - गंगोत्री, मधुनोत्री, मिलाप

- अरुनी लाल मृदा, द० ढाल शिखर

- इसमें विश्व की सबसे ऊँची चोटी एवरेस्ट, भारत में हि० की - कंचनजंघा

अन्य चोटी, नंगापर्वत, दौलागिरी, शीशिखर, कैलाश

- सी/अस - 17 - माना 2 नीमि | विस्तार क्षेत्र में - काठमांडू, सिन्धु
 - अमीर - जोमिला | 17 - लिपुलेख, सिन्धु
 - युक्ति |
 - कालाचल - चोमांडल | सिन्धु - गोपुल, जिला

✓ महान हिमालय - अफगानि & अंडलोमरेट चट्टानों से निर्मित

- मुख्य खनिज नदी - सिंधु, अरब, प्रसु

(ii) मुख्य हिमालय

- इस पर्वत को अमीर में - पोखरा
 हिमालय प्रदेशों - चौतांधर
 नेपाल - महाभारत श्रृंखला
 अफगान - सिन्धी & अफगा के क्षेत्रों में है।

- 30 लाख मी 20 लाख मी

✓ अफगानि, अंडलोमरेट & अरब चट्टानों से निर्मित

- औसत ऊंचाई 4500m

✓ अनुप्रस्थ छाटियों का विकास - कुल्लु & महाली

- पर्यटन नगर अफगानि - मधुरी, नैनीताल, जोमिला, शिमला, राजीव

- पीपल में खनिज द्रव्य - जम्बू के प्रदेशों से जोड़ा है

- लघु & महान हिमालय के बीच - ग्रे कैंट्री फाउल्ट - यह पंजाब से अरब तक फैला है

✓ अमीर की घाटी & फूलों की घाटी अफगानि

- लघु & अफगानि के बीच - लूनी घाटी, अरब घाटी, कुल्लु घाटी, सिन्धी घाटी

- लघु अफगानि के दाल पर घास के मैदान - खैरत, युलत, टनत

(iii) त्रिवांगिक हिमालय

- औसत ऊंचाई = 6000m

- विस्तार पूर्व में कोसी नदी से पाकिस्तान के पोखरा पर्यंत तक

- यह रूप रूप से विकसित हुई है। इसी ऊंचाई पर्वतीय श्रृंखला से पीपल

✓ अफगानि & अंडलोमरेट चट्टानों से निर्मित

- जम्बू में - जम्बू की पहाड़ी, अरब में दुधवा, नेपाल में पुरिया के नाम
 विस्तार - सोमेश्वर की पहाड़ी

- औसत ऊंचाई 15-30km

(3) पूर्वांचल हिमालय

- विस्तार - नामचावरवा गाँव से थाराकातयोमा पहाड़ी तक

- थाराकातयोमा के दक्ष में अवस्थित द्वीपिय क्षेत्र पूर्वांचल हिमालय का
 ही अवशिष्ट भाग है।

- विस्तार - भारत में अफगानि, नजालि, मंगेश्वर, मिजीर, राजपुत

हिमालय का स्थलाकृतिक प्रदेश / प्रादेशिक आधार

- हिमालय एक नवीन मोड़दार पर्वत है, जो भारत के उत्तर में एक चाप के रूप में अवस्थित है।
- इसका विस्तार सिंधु जॉर्ज से लेकर नामचावरवा जॉर्ज तक है।
- लम्बाई 2500km, उत्तर में चीन अधिक - अरुणाचल प्रदेश में चीन कम।
- इस पर्वत में विश्व की कई ऊँची-ऊँची चोटियाँ पायी जाती हैं। ये चोटियाँ सालोंभर हिमाच्छादित रहती हैं। इसलिए इसे हिमालय कहा गया है।
- इस पर्वत का निर्माण अल्पाइन भूसंचलन के तृतीयक काल में हुआ।
- पूर्व से पठान पर स्थलाकृतिक विशेषता के आधार पर 4 भागों में वर्गीकृत किया गया है।

1. पंजाब हिमालय

- इसे उत्तर हिमालय भी कहते हैं।
- विस्तार सिंधु जॉर्ज से सतलज तक।
- लम्बाई - 560km.
- यह हिमालय का सबसे चौड़ा भाग।
- उत्तर से दक्षिण पर - काराकोरम, लद्दाख, जालंधर, महान, लघु & शिवालिक हिम श्रृंखलाओं की क्षेत्रीय विशेषता।

1. उत्तर हिमालय का निर्माण मुख्य हिमालय के निर्माण से पहले।
2. उत्तर हिमालय पर आलो पर बर्फ गयी।
3. हिमानी अपरदन से सीढ़ीनुमा स्थलाकृति का विकास।
4. यह उत्तर शीतोष्ण अर्द्ध मरुस्थलीय प्रदेश।
5. यहाँ मुखलाओं के उत्तरी ढाल में, दक्षिण ढाल में।
6. महान & लघु हिमालय के बीच उत्तर की घाटी अवस्थित है। यहाँ डल एवं गुलर कोल से शुकर मेलन की प्रवाहें होती हैं।

7. महान हिमालय के दक्षिण पर मुख्यतः दक्षिण के क्षेत्र - सोनभद्र, गुलमी
8. पंजाब हिमालय में दक्षिण - गन्ध - भोकर भाग - अंधार (दक्षिण)
9. महान हिमालय में दक्षिण - आंजला, पुर्जिल
10. हिमानी - सिन्धु - अरावली ...

2. कुमायूँ हिमालय

- विस्तार - सतलज तक है काली तक → हिमाचल प्रदेश + UP
- लम्बाई - 300km

- यह हिमालय का सबसे कम ऊँचाई एवं लम्बाई वाला भाग।
- यहाँ - महान, लघु, शिवालिक त्रिक - अवस्थित।
- महान हिमालय में दक्षिण - शांजला, लिपुलेख, पिथौरागढ़
कोल - माना, नीति।
- महान हिमानी है - जंगम, धमुनेची, फिलाफ, चिंडारी।